UP Board Notes Class 8 Sanskrit Chapter 3 अस्माकम् पर्वाणि

शब्दार्थाः-संघटते = पड़ता है, अमुष्मिन् दिने = इस दिन, चतुर्दशवर्षमितम् = चौदह वर्ष पर्यंत, प्रत्यागच्छत् = वापस आए, तदा प्रभृति इदम् = तभी से यह, याचामहे = माँगते हैं, वीथीषु = मार्गों में, आपणेषु = दुकानों में, चाकचिक्यम् = चकाचौंध, नयन्ति = ले जाते हैं, नत्वा = झुका करे,

परमकारुणिकः = अत्यन्त दयावान्, अजायत् = जन्म लिये। नामधेयेषु = नामक, उपहारान् = भेंट सामग्रियों को, प्रयच्छति = देता है, उपवासं कुर्वन्ति = उपवास करते हैं (रोजा), सुपरिचितेभ्यः = परिचित लोगों के द्वारा, वर्धापयन्ति = बधाई देते है, मनोहराणि नवानि = सुन्दर और नये।

दीपावली ..... इत्यादयः॥
हिन्दी अनुवाद-दीपावली प्रकाश का महोत्सव है। यह महोत्सव कार्तिक की अमावस्या को होता है। इस दिन भगवान रामचन्द्र चौदह वर्ष के वनवास को पूरा करके रावण-वध के बाद अयोध्या लौटे थे। यह उत्सव तभी से प्रचलित है। इस महोत्सव में रात्रि में लक्ष्मीपूजन होता है। उसमें देवी से हम सब धन-धान्य आदि की याचना करते हैं। सब लोग अपने-अपने घर को दीपमालाओं से सजाते हैं। शाम को हम मार्गों, दुकानों और घरों में सर्वत्र दीपकों का प्रकाश देखते हैं। अहा! प्रत्येक भवन में बिजली के बल्बों की कैसी चकाचौंध है!

उत्सवों में दीपावली प्रमुख उत्सव होता है। हमारे देश में दूसरे उत्सव भी हैं। रक्षाबन्धन, विजयादशमी (दशहरा), होलिकोत्सव इत्यादि।

कार्तिकमासस्यैव ..... अप्यायोजयन्ति। 2।
हिन्दी अनुवाद-कार्तिक मास की पूर्णिमा को ही गुरुनानक देव की जयन्ती होती है। इस तिथि को ही गुरुनानक देव का जन्म हुआ था। सिख धर्मावलम्बी लोग इस दिन विशेष रूप में उत्सव का आयोजन करते हैं। उनके साथ उनके इष्ट मित्र भी इस पर्व को मनाते हैं। वे सब गुरुद्वारे में परिवार के लोगों को ले जाते हैं। वहाँ सिर झुकाकर नमस्कार करके वे 'गुरु ग्रन्थ साहब' नाम के अपने धर्मग्रन्थ को सुनते हैं और मित्र के साथ आपस में बातचीत करते हैं तथा आनन्द लेते हैं। इस पर्व में सिख महानुभाव आए हुए लोगों को प्रसाद रूप में हलवा बाँटते हैं। भजन-कीर्तन आदि कार्यक्रम के साथ वे शोभायात्रा का भी आयोजन करते हैं।

ईसाईजनानां ..... आरोहति ॥3॥
हिन्दी अनुवाद-ईसाई लोगों का रमणीय पर्व क्रिसमस (बड़ा दिन) होता है। यह पर्व दिसम्बर मास की पच्चीस तारीख को होता है। इस दिन परम करुणामय ईसामसीह ने अपने जन्म से पृथ्वी को अलंकृत किया था। लोग गिरजाघर नाम के ईसाई उपासना मन्दिर में प्रार्थना करते हैं और ईश्वर की कृपा प्राप्त करते हैं। घर-घर में क्रिसमस पेड़ का निर्माण होता है। सांताक्लॉज बच्चों को उपहार देता है। रात्रि में इस महोत्सव का अत्यन्त उन्नत स्वरूप होता है।

ईद-उल-फितर नामधेयं ..... कुर्वन्ति ।
हिन्दी अनुवाद-मुस्लिम समाज में 'ईद-उल-फितर' नाम का कल्याण करने वाला पर्व है। इसका आयोजन रमजान महीने की समाप्ति पर होता है। रमजान मास में मुसलमान लोग एक महीने तक दिन का उपवास करते

https://www.evidyarthi.in/

हैं। केवल रात्रि में मिलकर खाते हैं। सम्बन्धियों और मित्रों के घर जाते हैं। आपस में प्रगति विषयक कामना करते हैं, परिचितों में अच्छी तरह मिठाइयाँ आदि बाँटते हैं, मनोहर नए वस्त्र धारण करते हैं। ईद उत्सव में वे अपने मित्रों और सम्बन्धियों से गले मिलते हैं।

https://www.evidyarthi.in/